दैनिक भास्कर
अजमेर 29-04-2022

आजादी का अमृत महोत्सव

कुपोषण मिटाने के उपाय बताए खेतों पर बनाएं पोषण वाटिका

अजमेर | राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी अजमेर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान का गुरुवार को आयोजन किया गया जिसमे 100 से अधिक कृषक महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने की। भदेल ने उपस्थित महिला किसानों को अपनी सेहत के बारे में जागरूक किया। संस्थान निदेशक डॉ. एसएन सक्सेना ने कार्यक्रम की प्रस्तावना और रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। डॉ. रामस्वरूप मीणा ने कुपोषण और भूख उन्मूलन में बायोफोर्टिफाइड किस्मों की भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। कृषि विज्ञान केंद्र अजमेर प्रभारी डॉक्टर डीएस भाटी ने किसानों को अपने खेतों पर पोषण वाटिका स्थापित कर कुपोषण को दूर करने की युक्तियां बताईं। डॉ. दिनेश अरोड़ा ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए खेती में बदलाव के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ मुरलीधर मीणा ने आभार व्यक्त किया।

दैनिक नवज्योति

Ajmer City - 29 Apr

कुपोषण उन्मूलन में बायोफोर्टीफाइड पौध की अहम भूमिका

अजमेर। राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी पर आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 100 से अधिक कृषक महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने महिला किसानों को अपनी सेहत के बारे में जागरूक किया। साथ ही परिवार को कुपोषण से बचाने के लिए आवश्यक उपाय सुझाए। भदेल ने केन्द्र सरकार द्वारा कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताते हुए भारत को कुपोषण से मुक्ति दिलाने का आह्वान किया। संस्थान निदेशक डॉ. एस.एन. सक्सेना ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कुपोषण एवं भूख के उन्मूलन में बायोफोर्टीफाइड पौध किस्मों के विकास में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के संस्थानों की भूमिका की भी जानकारी दी। डॉ. रामस्वरूप मीणा ने कुपोषण और भूख उन्मूलन में बायोफोर्टीफाइड किस्मों की भूमिका पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी डॉ. डी.एस. भाटी ने किसानों को अपने खेतों पर पोषण वाटिका स्थापित कर कुपोषण को दूर करने के उपाय बताए। डॉ. दिनेश अरोड़ा ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए खेती में बदलाव